

दलित साहित्यिकों द्वारा लिखे उपन्यासों पर चर्चा करते हुए देवेंद्र चौबे कहते हैं –

“वास्तव में औपनिवेशिक साम्राज्यवादी भारत और उससे मुक्ति के लिए किए गए संघर्ष के दौरान पेरियार, अंबेडकर, गांधी, भगतसिंह जैसे विचारकों ने सामाजिक असमानता के सवालों को उठाते हुए विचारधारा की दुनिया में जिस सामाजिक न्याय की परिकल्पना की थी, उसे दलित समाज पर केंद्रित उपन्यासों में दलित समाज के उत्पीड़न के प्रसंग से जोड़कर साफ तौर पर देखा जा सकता है। इसलिए ये गैर-दलितों द्वारा लिखित उपन्यासों से इस मायने में अलग हैं कि वे समन्वय की नहीं, संघर्ष की बात करते हैं, क्योंकि उनके साथ अन्याय हुआ है। उनके प्रसंग में ईश्वर भी न्याय नहीं करता है। इसलिए ये उस संघर्ष की बात करते हैं जो दलित समाज को वर्ण व्यवस्था से मुक्ति देगा, उसे ज्ञान और सत्ता की प्रक्रिया से जोड़ेगा, एक बेहतर समाज का निर्माण करेगा। यह एक महत्वपूर्ण बात है, जो पारंपरिक उपन्यासों से दलित उपन्यासों को अलग करती है।”

An idea of social justice was conceived by thinkers like Periyar, Ambedkar, Gandhi, Bhagat Singh in the ideological sphere during the struggle for liberation from the colonial imperialist rule over India. One can clearly see its relevance in the context of atrocities on the Dalit community as written in novels focussed on them. And they are different from novels written by non-Dalits in the sense that they do not talk of merging (with the larger society), and rather talk of struggle, because they have experienced injustice. They find that even God is not just to them. Thus, they talk of a struggle that will liberate the Dalit community from the Caste system, and will bring them to the world of knowledge and power, will create a better society. This is an important matter, that makes Dalit novels different from the traditional novels.

हमने क्लास में उपन्यास नहीं पढ़े, पर कुछ दलित कवियों की कविताएँ पढ़ी हैं। इनके अलावा नीचे दी गई लिंक्स से और रचनाएँ पढ़ें और इनके आधार पर संदर्भ सहित लिखें कि क्या ऊपर कही गई बातें दलित कवियों/कथाकारों की लिखी रचनाओं पर भी लागू होती हैं।

<https://www.hindwi.org/poets/namdev-dhasal/all>  
<https://www.hindwi.org/poets/omprakash-valmiki/all>  
<https://www.hindwi.org/poets/rajni-tilak/kavita>  
<https://www.hindwi.org/poets/sheoraj-singh-bechain/all>  
<https://www.hindwi.org/poets/ajay-navaria/all>  
<https://www.hindwi.org/poets/parag-pawan/kavita>  
<https://www.hindwi.org/poets/vihag-vaibhav/kavita>  
, etc.

अधिक जानकारी के लिए यह भी पढ़ें –

[https://courses.iiit.ac.in/pluginfile.php/184380/mod\\_resource/content/1/gyankosh-rmchand.pdf](https://courses.iiit.ac.in/pluginfile.php/184380/mod_resource/content/1/gyankosh-rmchand.pdf)